साँवले सपनों की याद भाग - 3

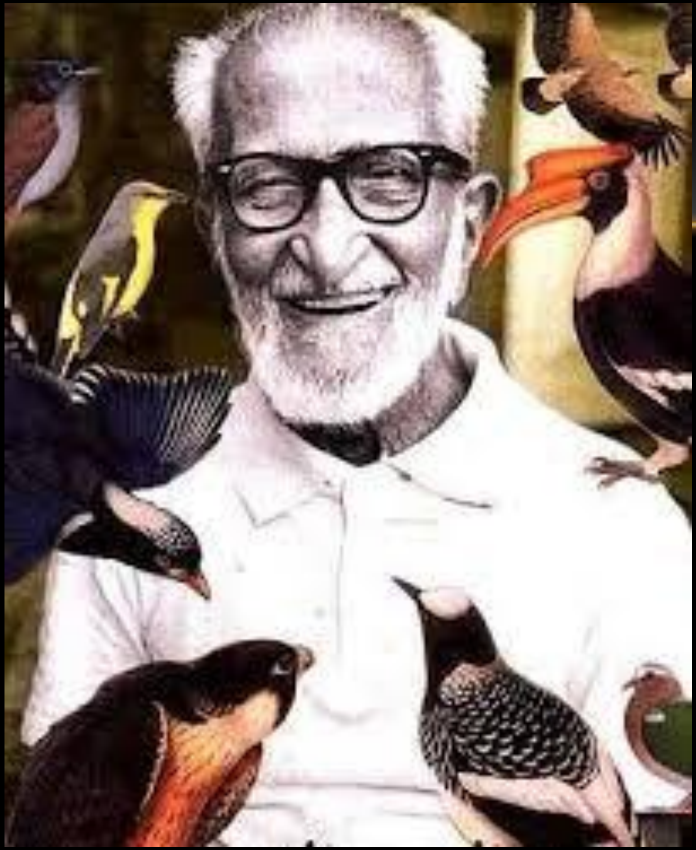

लेखक – जाबिर हुसैन

मुरारी लाल शर्मा

सालिम अली ने अपनी आत्मकथा का नाम (पृष्ठ 45) --सालिम अली तुम लौटोगे ना! (पृष्ठ 46)

शब्द	अर्थ
जटिल	कठिन
पहेली	रहस्य
गौरैया	एक पक्षी
नैसर्गिक	प्राकृतिक, स्वाभाविक
प्रतिरूप	बिल्कुल वही रूप
अथाह	बहुत गहरा, जिसकी थाह न हो
यायावरी	घुमक्कड़ स्वभाव
सुराग	खोज

1. डी.एच.लॉरेंस- डी.एच.लॉरेंस अंग्रेजी उपन्यासकार थे। वे अंग्रेजी में कविताएँ लिखते थे। वे प्रकृति के कवि रूप में जाने जाते हैं। वे प्रकृति प्रेमी थे, प्रकृति के बीच रहते थे। लॉरेंस सीधे-सादे स्वभाव के इनसान थे। अपनी छत पर बैठी गौरैया से बहुत समय तक बातें करते रहते थे।

उनकी पत्नी का नाम फ्रीडा लॉरेंस था। लॉरेंस की मृत्यु के बाद जब लोगो ने फ्रीडा से लारेंस के बारे में लिखने को कहा तो उसने कह दिया कि लॉरेंस के बारे में उससे ज़्यादा छत पर बैठी गौरैया जानती है।

2. **सालिम अली** का प्रकृति और पक्षियों से संबंधित ज्ञान टापू की तरह सीमित न होकर समुद्र की तरह अथाह और गहरा था। सालिम अली मर गए थे, पर उनकी घुमक्कड़ स्वभाव के कारण लोगों को ऐसा लगता था कि सालिम अली पक्षियों की खोज में चले गए हैं, कुछ देर में पक्षियों के बारे में नई-नई खोज करके वापस आजाएँगे।

प्रश्न- किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया?

उत्तर- एक बार बचपन में सालिम अली की एयरगन से एक नीले कंठ वाली गौरैया घायल होकर गिर पड़ी थी। घायल गौरैया को देखकर सालिम अली का मन बहुत दुखी हुआ। इस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया। वे गौरैया की देखभाल, सुरक्षा और खोजबीन में लग गए। उनका पक्षियों के प्रति लगाव बढ़ गया और वे पक्षी प्रेमी बन गए।

गृह कार्य

1. सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि उनकी आँखें नम हो गईं थीं?

2. लेखक ने सालिम अली के व्यक्तित्व का जो चित्र खींचा है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

धन्यवाद